RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 112
दि. 22.08.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

पीएम मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने फोन पर की बात, रूस-यूक्रेन युद्ध समेत इन मुद्दों पर हुई चर्चा

(जीएनएस)।

पीएम मोदी ने बातचीत को लेकर एक्स पर जानकारी शेयर की. दोनों नेताओं ने खासतौर पर यूक्रेन और वेस्ट एशिया में जारी संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान की संभावनाओं पर विचार साझा किए और भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने का संकल्प दोहराया.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच अंतरराष्ट्रीय हालात को लेकर गुरुवार को अहम बातचीत हुई. दोनों नेताओं ने खासतौर पर यूक्रेन और वेस्ट एशिया में जारी संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान की संभावनाओं पर विचार साझा किए और भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने का संकल्प दोहराया.

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'मेरे मित्र राष्ट्रपति मैक्रों के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई. हमने यूक्रेन और वेस्ट एशिया में संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों पर विचार साझा किए और भारतझफ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई.'

मैक्रों ने भी इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी. उन्होंने हिंदी में लिखी अपनी पोस्ट में बताया, "मैंने अभी-अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से बातचीत की. हमने यूक्रेन युद्ध पर अपनी स्थितियों का समन्वय किया ताकि एक न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की ओर बढ़ सकें, यूक्रेन के लिए ठोस सुरक्षा गारंटि और यूरोप की सुरक्षा के साथ. व्यापार संबंधी मुद्दों पर, हमने अपने वाणिज्यिक संबंधों को बढ़ावा देने और सभी क्षेत्रों में अपनी सामरिक साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की."

उन्होंने आगे लिखा, "यही हमारी संप्रभुता और स्वतंत्रता की कुंजी है. फरवरी में पेरिस में आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्शन समिट की निरंतरता में, हम 2026 में नई दिल्ली में होने वाले एआई इम्पैक्ट समिट की सफलता के लिए कार्य कर रहे हैं. एक अधिक प्रभावी बहुपक्षवाद के लिए, हमने 2026 में जी7 की फ्रांसीसी अध्यक्षता और ब्रिक्स की भारतीय अध्यक्षता को ध्यान में रखते हुए निकट समन्वय करने पर सहमति व्यक्त की है." फ्रांस ने बुधवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा लगाए गए यहूदी-विरोधी के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया. पेरिस स्थित एलिसी पैलेस ने इन आरोपों को घृणित और भ्रामक बताया और कहा कि फ्रांस हमेशा अपने यहूदी नागरिकों की सुरक्षा करता आया है और करता रहेगा.

पौड़ी का सेब अब दुबई में भी महकेगा, जानिए क्यों खास है किंग रोट किस्म का सेब, ये है प्लानिंग

उत्तराखंड के पौड़ी का सेब अब दुबई में भी महकेगा। इसके बाद सेब के साथ बासमती, मोटे अनाज, शहद, फल व सब्जियों पर भी फोकस किया जाएगा। देहरादून से दुबई के लिए 1.2 मीट्रिक टन गढ़वाली सेब की पहली खेप रवाना की गई।

पौड़ी गढ़वाल की पहाड़ियों में उगने वाले सेब, विशेष रूप से किंग रोट किस्म, अपने कुरकुरेपन, स्वाद और प्राकृतिक मिठास के लिए प्रसिद्ध हैं। इसके बावजूद, बागवानों को अक्सर अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचने में आधारभूत ढाँचे, संपर्क और फसल-उपरांत प्रबंधन की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

'दंगे भड़काते थे पीडीए वाले', सीएम योगी बोले- कल्याण सिंह ने किसी रामभक्त पर आंच नहीं आने दी

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर आयोजित हिन्दू गौरव दिवस कार्यक्रम कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि देने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ कहा कि 'बाबूजी' (कल्याण सिंह) का पूरा जीवन भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीयता और जनता की सेवा को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि कल्याण सिंह की विरासत ही आज राज्य के विकास की आधारशिला बनी है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'बाबूजी का जन्म अलीगढ़ जिले के एक छोटे से किसान परिवार में हुआ था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से उन्हें बचपन में ही राष्ट्रीयता के संस्कार मिले। शिक्षक के रूप में और फिर भाजपा कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने अपना जीवन भारत माता और भारतीयता के लिए समर्पित कर दिया। आज उनकी पुण्यतिथि पर प्रदेश की जनता की ओर से, हर रामभक्त की ओर से और उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।'

सीएम योगी ने कहा कि भारतीय राजनीति में बाबूजी को जो भी जिम्मेदारी मिली, उन्होंने अपने आदर्शों की अमिट छाप छोड़ी। सीएम योगी ने कहा, 'सन 1990 में जब उत्तर प्रदेश की स्थिति बिगड़ी हुई थी, तब उन्होंने कानून का राज स्थापित कर सुशासन का लक्ष्य सामने रखा। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने विरासत और विकास की यात्रा को साथ-साथ आगे बढ़ाने का काम किया। कांग्रेस ने 1992 में अलोकतांत्रिक तरीके से उनकी सरकार को बर्खास्त किया था। उस कठिन समय में उन्होंने बिना देर किए राम जन्मभूमि आंदोलन के लिए अपने पद का बलिदान दिया।'

जीएसटी में खत्म होंगे 12%-28% वाले स्लैब, वित्त मंत्रियों के समूह की मंजूरी, आम लोगों को क्या फायदा?

(जीएनएस)।

भारत में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (GST) व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी हो चुकी है। केंद्रीय सरकार और राज्यों के वित्त मंत्रियों के समूह (GoM) ने जीएसटी स्लैब को सरल बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मौजूदा चार स्लैब अब केवल दो स्लैब 5% और 18% में बदल दिए जाएंगे। यह कदम टैक्स सिस्टम को आसान, पारदर्शी और कॉम्प्लायंस को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

बैठक में बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में यूपी, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और केरल के मंत्री भी मौजूद थे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नया सिस्टम आम जनता, किसानों और छोटे कारोबारियों के लिए लाभकारी होगा। इसके अलावा हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस प्रीमियम पर जीएसटी में छूट देने का प्रस्ताव भी रखा गया।

स्लैब में कटौती - विस्तार से समझें

GST के मौजूदा सिस्टम में चार टैक्स स्लैब थे - 5%, 12%, 18% और 28%। लेकिन वित्त मंत्रियों के समूह (GoM) की हालिया बैठक में यह तय किया गया कि अब केवल दो स्लैब रहेंगे - 5% और 18%।

पहले की व्यवस्था

5%: जरूरी वस्तुएं जैसे अनाज, दूध, दालें, दवाइयां आदि।

12%: मिड कैटेगरी की चीजें।

18%: आम सेवाएं और सामान।

28%: लक्जरी और सिन गुड्स (शराब, तंबाकू, जुआ आदि)।

नई व्यवस्था

5% स्लैबः अब भी जरूरी सामान और सेवाओं पर लागू होगा। इसमें 12% स्लैब के कई आइटम शामिल कर दिए जाएंगे।

18% स्लैबः आम कैटेगरी के सामान और सेवाओं पर लागू होगा। इसमें 28% स्लैब वाले लगभग 90% 90% सामान शामिल होंगे।

1. 5% स्लैब (कम टैक्स वाला स्लैब) इस स्लैब में जरूरी वस्तुएँ और आम सेवाएँ शामिल हैं। उद्देश्य यह है कि रोजमर्रा के सामान पर टैक्स कम हो और आम आदमी की जेब पर बोझ न पड़े।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधिमंडल जापान एवं दक्षिण कोरिया के दौरे पर

भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (ITPO), भारत सरकार के आमंत्रण पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल आज जापान और दक्षिण कोरिया के आधिकारिक दौरे पर रवाना हुआ। इस यात्रा का उद्देश्य छत्तीसगढ़ को वैश्विक निवेश मानचित्र पर स्थापित करना है। टोक्यो (22-24 अगस्त) में प्रतिनिधिमंडल जापानी उद्योगपतियों, व्यापार संघों और निवेशकों के साथ इन्वेस्टर कनेक्ट सेशंस एवं व्यावसायिक बैठकों में भाग लेगा। इसके बाद ओसाका (25-26 अगस्त) में मुख्यमंत्री श्री साय वर्ल्ड एक्सपो 2025 में शामिल होंगे और छत्तीसगढ़ में निवेश अवसरों पर विभिन्न हितधारकों से चर्चा करेंगे। दौरे का अंतिम चरण सियोल (27झ29 अगस्त) में होगा।

जीएआरसी की चौथी रिपोर्ट में राज्य में विकेन्द्रित योजना व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक, प्रतिनिधित्व आधारित तथा जनकेन्द्रित बनाने की सिफारिशें

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को गुजरात प्रशासनिक सुधार आयोग की चौथी रिपोर्ट सौंपी गई

राज्य के योजना ढाँचे में मूलभूत परिवर्तन लाकर नागरिकों को सीधा ही लाभ पहुँचाने वाली सिफारिशें

-: जीएआरसी के अध्यक्ष डॉ. हसमुख अढिया के दिशादर्शन में आयोग की चौथी रिपोर्ट की प्रमुख सिफारिशें :-

- जिला योजना बजट में आगामी पाँच वर्ष में सात से आठ गुना वृद्धि
- जिला योजना समिति में निर्वाचित प्रतिनिधियों का बहुमत झ जिले के प्रभारी मंत्री समिति के अध्यक्ष
- योजना के लिए फिक्स कैलेंडर
- तहसील स्तर पर एकीकृत समिति
- विलेज डेवलपमेंट प्लान झ नागरिकों की विकास कार्यों में सीधी भागीदारी

गांधीनगर, 21 अगस्त :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए विकसित भारत@2047 के संकल्प में विकसित गुजरात@2047 को अग्रसर रखने के ध्येय से राज्य शासन के प्रशासनिक ढाँचे एवं कार्यपद्धति में आवश्यक फेरबदल के लिए मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार डॉ. हसमुख अढिया की अध्यक्षता में गुजरात प्रशासनिक सुधार आयोग (जीएआरसी) का गठन किया है।

इस संदर्भ में; जीएआरसी द्वारा अब तक राज्य सरकार को तीन सिफारिश रिपोर्ट सौंपी गई हैं और उसकी कुल 25 सिफारिशें क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में है।

जीएआरआरसी के अध्यक्ष डॉ. हसमुख अढिया के दिशादर्शन में लगभग 9 सिफारिशों के साथ तैयार की गई चौथी सिफारिश रिपोर्ट गुरुवार को मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को सौंपी गई।

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2024 में राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस पर संकल्प किया था, 'हमारी सरकार पंचायतीराज संस्थाओं को मजबूत बनाने तथा लोगों के सपनों को साकार करने के लिए निरंतर कार्यरत रहेगी।' प्रधानमंत्री के इस संकल्प को गुजरात में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गाँव से राज्य तक लोकतंत्र आधारित विकास मॉडल से साकार करने के उद्देश्य से जीएआरसी की इस चौथी सिफारिश रिपोर्ट में विकेन्द्रित योजना संबंधी सिफारिशें की गई हैं।

इस चौथी रिपोर्ट में विकेन्द्रित योजना तथा बजट व्यवस्था के संबंध में जो ऐतिहासिक सिफारिशें की गई हैं, उनके परिणामस्वरूप अपेक्षा व्यक्त की गई है कि इन सिफारिशों से लोककेन्द्रित विकास, पारदर्शिता तथा जिम्मेदारी के नए युग की शुरूआत होगी और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य में गाँव से तहसील एवं जिले की योजना प्रक्रिया अधिक लोकतांत्रिक, प्रतिनिधित्व आधारित तथा जनकेन्द्रित बनेगी।

मुख्यमंत्री को जीएआरसी की यह चौथी रिपोर्ट आयोग के अध्यक्ष डॉ. हसमुख अढिया द्वारा सौंपे जाने के अवसर पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री एम. के. दास, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री एस. एस. राठौड़, प्रशासनिक सुधार प्रभाग के प्रधान सचिव श्री हारित शुक्ला, मुख्यमंत्री की अपर प्रधान सचिव श्रीमती अवंतिका सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. विक्रांत पांडे तथा योजना प्रभाग की सचिव श्रीमती आर्द्रा अग्रवाल एवं जीएआरसी के अधिकारी उपस्थित रहे।

जीएआरसी की इस चौथी रिपोर्ट में गुजरात के योजना ढाँचे में मूलभूत परिवर्तन लाने वाली सिफारिशें की गई हैं, जो राज्य के नागरिकों को सीधा लाभ पहुँचाने वाली हैं। इन सिफारिशों द्वारा राज्य में विकेन्द्रित योजना को मजबूत बनाने एवं गाँवों को विकास प्रक्रिया के केन्द्र में लाने का महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

मध्य प्रदेश में सियासी भगदड़, आधे कांग्रेसी बीजेपी छोड़ कांग्रेस में वापसी को बेताब!

मध्य प्रदेश की सियासत में एक बार फिर हलचल मच गई है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल हुए कांग्रेसी नेताओं में से आधे अब अपनी पुरानी पार्टी में वापसी की जुगत में हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस के संगठन प्रभारी और महासचिव डॉ संजय कामले ने वरिष्ठ पत्रकार रवि जैन के साथ विशेष बातचीत में यह सनसनीखेज दावा किया है।

उनके मुताबिक, बीजेपी में गए करीब 750 नेताओं ने औपचारिक रूप से कांग्रेस कार्यालय में वापसी के लिए आवेदन जमा किए हैं।

भारत-पाकिस्तान मैच पर सरकार ने तोड़ी चुप्पी! क्या एशिया कप में होगा मुकाबला? हो गया फैसला

(जीएनएस)।

भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते हमेशा संवेदनशील रहे हैं। राजनीति, सुरक्षा और कूटनीति के अलावा खेल भी इन दोनों देशों के संबंधों का अहम हिस्सा है। भारत सरकार ने गुरुवार यानी 21 अगस्त को एक नई खेल नीति की घोषणा की है, जिसमें पाकिस्तान से जुड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों पर साफ रुख पेश किया गया है।

इस नीति के मुताबिक भारतीय टीमें अब भी उन मल्टीनेशनल टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेंगी, जिनमें पाकिस्तान भी खेल रहा होगा, लेकिन दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सीरीज पूरी तरह से बंद रहेगी। खेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत एशिया कप 2025 में हिस्सा लेगा। यह टूर्नामेंट 9 सितंबर से यूएई में शुरू होगा और 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। सूत्रों के मुताबिक इस बार दोनों टीमें तीन बार तक आमने-सामने हो सकती हैं।

सरकार ने किया साफ

मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि भारत का खेलों को लेकर रुख उसकी समग्र विदेश नीति को दशार्ता है। पाकिस्तान के साथ कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं होगी, न ही भारतीय टीमें पाकिस्तान जाएंगी और न ही पाकिस्तान की टीमें भारत आएंगी। हालांकि, मल्टीनेशनल टूर्नामेंट जैसे एशिया कप या वर्ल्ड कप में भारत हिस्सा लेगा क्योंकि ये अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों के नियमों के तहत आते हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद हो रहा था विरोध

इस फैसले के बाद लंबे समय से चल रही अटकलों पर विराम लग गया। हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद कयास लगाए जा रहे थे कि भारत एशिया कप से हट सकता है। अगर ऐसा होता, तो टूर्नामेंट रद्द होने की नौबत आ सकती थी। दिलचस्प बात यह है कि 2023 में भारत ने पाकिस्तान जाकर एशिया कप खेलने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद 'हाइब्रिड मॉडल' अपनाया गया और भारत के मैच श्रीलंका में हुए। अब भी यही व्यवस्था जारी रहेगी।

'उन्हें सिर्फ मुंबई में गड्ढे दिखते हैं उनका पूरा राज्य', राज ठाकरे ने प्रवासियों पर किया कटाक्ष

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र में मराठी बनाम हिंदी विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। एक बाद फिर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने मुंबई में बसे प्रवासी लोगो पर जमकर कटाक्ष किया है। जबकि महाराष्ट्र में ठाकरे ब्रदर्स को एक दिन पहले इएरळ कर्मचारी सहकारी ऋण समिति के चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस हार के 24 घंटे बाद एक बार फिर राज ठाकरे ने प्रवासी लोगों को लेकर विवादित बयान दिया है।

21 अगर त को मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कहा "जो लोग दूसरे राज्यों से मुंबई आते हैं" वे केवल शहर में गड्ढे देखते हैं। राज ठाकरे ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, "लेकिन वे यह नहीं देखते कि उनका पूरा राज्य ही एक गड्ढा है।"

उन्होंने ये बयान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से दक्षिण मुंबई स्थित उनके आधिकारिक आवास पर हुई मुलाकात के बाद दिया। मनसे प्रमुख के अनुसार, यह बैठक मुंबई और अन्य शहरों से संबंधित नागरिक मुद्दों पर केंद्रित थी।

मनसे प्रमुख और भाजपा नेता के बीच यह मुलाकात ठाकरे चचेरे भाइयों, राज और उद्धव, को इएरळ कर्मचारी सहकारी ऋण समिति के चुनावों में हार का सामना करने के एक दिन बाद हुई। पिछले महीने उनके पुनर्मिलन के बाद यह पहला अवसर था जब उन्होंने एक साथ चुनाव लड़ा था। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राज ठाकरे की मनसे के संयुक्त पैनल को इन चुनावों में 21 में से एक भी सीट नहीं मिली।

हालांकि, राज ठाकरे ने " पर पोस्ट किया कि मुख्यमंत्री के साथ बैठक "यातायात समस्याओं और पार्किंग मुद्दों" पर थी। उन्होंने कहा, "शहर बढ़ रहे हैं, नई परियोजनाएं आ रही हैं, और शहरों में लोगों का आना-जाना नहीं रुक रहा है। हम कबूतरों और हाथियों जैसे मुद्दों पर अटके हुए हैं, लेकिन हम पार्किंग जैसी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। यातायात भीड़ सबसे गंभीर मुद्दा है, और इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है।"

उन्होंने बताया कि फडणवीस के समक्ष उन्होंने एक प्रस्तुति दी, जिसमें मुंबई पुलिस आयुक्त और संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) भी उपस्थित थे। राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के बीच संभावित गठबंधन को लेकर अटकलें तेज हैं। पिछले महीने ठाकरे चचेरे भाइयों ने मराठी पहचान और राज्य में हिंदी भाषा के "अधिरोपण" के मुद्दे पर मुंबई में एक राजनीतिक मंच साझा किया था।

माननीय पीएम मोदी 25 अगस्त, 2025 को गुजरात दौरे पर आएँगे

कडी-साबरमती के बीच पहली मेमू ट्रेन और बेचराजी से कार-लोडेड मालगाड़ी का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करेंगे

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी 25 अगस्त, 2025 को गुजरात का दौरा करेंगे। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री जी दो महत्वपूर्ण नई रेल सेवाओं कडी और साबरमती के बीच पहली मेमू ट्रेन सेवा तथा बेचराजी से कार-लोडेड मालगाड़ी को अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करेंगे।

कलोल-कड़ी-कटोसन रोड मीटरगेज सेक्शन 15 सितंबर 2017 को ब्रॉड गेज में परिवर्तन हेतु बंद कर दिया गया था, जिस पर लगभग 8 साल के बाद पहली बार मीटर गेज से परिवर्तित ब्रॉडगेज लाइन पर कडी से साबरमती के बीच पहली मेमू ट्रेन की शुरूआत होने जा रही है जिससे अहमदाबाद, गांधीनगर और महेसाणा जिलों के रेल यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। यह ट्रेन सेवा दैनिक यात्रियों, विद्यार्थियों, कार्यालय जाने वालों और स्थानीय उद्यमियों के लिए तेज, सुरक्षित, विश्वसनीय और किफायती यात्रा कराएगी। अहमदाबाद (साबरमती) से कड़ी के बीच यह ट्रेन बहुत ही लाभकारी सिद्ध होगी, जहाँ वर्तमान में अहमदाबाद से कड़ी तक बस किराया ₹80 से ₹150 तथा टैक्सी भाड़ा ₹800 से ₹1200 के बीच है और यात्रा में 1 से 1.30 घंटे तक लगते हैं, वहीं यह नई ट्रेन सेवा यात्रियों का समय और धन दोनों बचाएगी।

साथ ही यह धार्मिक स्थलों और पर्यटन स्थलों तक पहुँच को सुगम बनाकर क्षेत्र की पर्यटन क्षमता को भी बढ़ाएगी। बेहतर यात्री संपर्क से स्थानीय व्यवसाय, व्यापारी और सेवा प्रदाता नए अवसरों से लाभान्वित होंगे, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

बेचराजी से कार-लोडेड मालगाड़ी की शुरूआत गुजरात के औद्योगिक परिदृश्य में नई ऊर्जा का संचार करेगी। ऑटोमोबाइल निर्माण और संबद्ध उद्योगों का प्रमुख केंद्र होने के कारण, बेचराजी को अब बेहतर लॉजिस्टिक समर्थन तथा राज्य और देश के अन्य हिस्सों तक सुदृढ़ कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा। यह सेवा परिवहन लागत घटाएगी, आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क का विस्तार करेगी और माल की तेज आवाजाही सुनिश्चित करेगी। इससे न केवल ऑटोमोबाइल और विनिर्माण क्षेत्र का विकास होगा बल्कि नए रोजगार अवसर भी सृजित होंगे।

ये दोनों रेल सेवाएँ मिलकर गुजरात में स्थायी, पर्यावरण-अनुकूल और तेज गति वाले परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में योगदान देंगी। यात्रा समय में कमी, कनेक्टिविटी में सुधार और औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के साथ ये पहल स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाएंगी और दीर्घकालिक सामाजिक-आर्थिक लाभ सुनिश्चित करेंगी।

भारतीय रेलवे की यह पहल क्षेत्रीय विकास को गति देने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है और गुजरात की विकास यात्रा को नई दिशा प्रदान करेगी। साथ ही, यह 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय विजन में भी अहम योगदान देगी।

ताम्बरम-जोधपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस का अमलनेर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

मुंबई,

यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 22663/22664 ताम्बरम-जोधपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस को प्रायोगिक आधार पर अमलनेर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विवरण इस प्रकार है:-

23 अगस्त, 2025 को ताम्बरम से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22663 ताम्बरम-जोधपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस को अमलनेर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन अमलनेर स्टेशन पर 14:45 बजे पहुँचेगी और 14:47 बजे प्रस्थान करेगी।

इसी प्रकार, 26 अगस्त, 2025 को जोधपुर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22664 जोधपुर-ताम्बरम सुपरफास्ट एक्सप्रेस को अमलनेर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन 16:16 बजे अमलनेर स्टेशन पहुंचेगी और 16:18 बजे प्रस्थान करेगी।

ट्रेनों के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

सीएम गुप्ता पर हमले के बाद फटाफट दिल्ली के नए पुलिस कमिश्नर नियुक्त

(जीएनएस)।

दिल्ली में एक बड़े प्रशासनिक बदलाव के तहत, 1992 बैच के क्ढर अधिकारी सतीश गोलचा को नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर उनके सिविल लाइंस स्थित सरकारी आवास पर जनसुनवाई के दौरान हुए हमले के ठीक एक दिन बाद, 21 अगस्त 2025 को की गई।

गृह मंत्रालय के आदेश के अनुसार, 'सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से, सतीश गोलचा, क्ढर (AGMUT: 1992), जो वर्तमान में महानिदेशक (कारागार), दिल्ली के पद पर तैनात हैं, को कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से अगले आदेश तक दिल्ली के पुलिस आयुक्त के पद पर नियुक्त किया जाता है।' गोलचा, रइङ सिंह का स्थान लेंगे, जिन्हें 1 अगस्त 2025 को दिल्ली पुलिस का कार्यवाहक कमिश्नर बनाया गया था।

20 अगस्त 2025 को सुबह करीब 8:15 बजे, सिविल लाइंस में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान गुजरात के राजकोट से आए 41 वर्षीय राजेशभाई खिमजी भाई सकरिया ने उन पर हमला कर दिया। ऑटो चालक राजेश ने शिकायतकर्ता बनकर CM के आवास में प्रवेश किया और कथित तौर पर उन्हें धक्का दिया, बाल खींचे और थप्पड़ मारने की कोशिश की। मुख्यमंत्री की सुरक्षा टीम और वहां मौजूद लोगों ने उसे तुरंत पकड़ लिया।

उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 109(1) (हत्या का प्रयास), 132 और 221 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस हमले ने दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए, जिसके बाद गृह मंत्रालय ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गोलचा को नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया।

कौन हैं सतीश गोलचा?

सतीश गोलचा, 1992 बैच के AGMUT (अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश) कैडर के IPS अधिकारी हैं, जिन्हें उनकी कठोर कार्यशैली और बेदाग छवि के लिए जाना जाता है। वर्तमान में वह महानिदेशक (कारागार), दिल्ली के पद पर तैनात थे, जिसका कार्यभार उन्होंने मई 2024 में संभाला था। गोलचा ने अपने करियर में दिल्ली पुलिस में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है, जिनमें पुलिस उपायुक्त (DCP), संयुक्त आयुक्त (Joint CP), विशेष आयुक्त (स्पेशल उढ) और स्पेशल CP (इंटेलिजेंस) शामिल हैं।

गोलचा ने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान स्पेशल उढ (कानून और व्यवस्था, जोन-2) के रूप में अपनी सूझबूझ और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया था। उन्होंने फरवरी 2022 से जून 2023 तक अरुणाचल प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (DGP) के रूप में भी कार्य किया। दिल्ली पुलिस में उनकी पिछली भूमिकाओं में इंटेलिजेंस ऑपरेशंस और आंतरिक सुरक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र शामिल रहे हैं, जिसके चलते उन्हें गंभीर सुरक्षा चुनौतियों से निपटने का व्यापक अनुभव है। तिहाड़ जेल जैसे संवेदनशील कारागार का प्रबंधन करने का उनका अनुभव भी उनकी नियुक्ति के पक्ष में रहा।

रइङ सिंह का छोटा कार्यकाल

सतीश गोलचा से पहले रइङ सिंह, 1988 बैच के IPS अधिकारी, को 31 जुलाई 2025 को दिल्ली पुलिस कमिश्नर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। यह नियुक्ति तत्कालीन कमिश्नर संजय अरोड़ा के रिटायरमेंट के बाद की गई थी। हालांकि, रइङ सिंह का कार्यकाल मात्र 21 दिन का रहा, जो दिल्ली पुलिस के इतिहास में सबसे छोटे कार्यकालों में से एक है। CM रेखा गुप्ता पर हमले के बाद उनकी सुरक्षा में चूक की जिम्मेदारी लेते हुए गृह मंत्रालय ने उन्हें हटाकर गोलचा को स्थायी कमिश्नर नियुक्त किया।

क्यों महत्वपूर्ण है यह नियुक्ति?

दिल्ली, एक रणनीतिक और संवेदनशील महानगर होने के नाते, पुलिस कमिश्नर का पद न सिर्फ प्रशासनिक, बल्कि राजनीतिक और कूटनीतिक संतुलन के लिहाज से भी अहम है। गोलचा की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब दिल्ली में + सुरक्षा के बावजूद मुख्यमंत्री पर हमला हुआ, जिसने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। गोलचा के सामने चुनौती होगी कि वह दिल्ली की कानून-व्यवस्था को मजबूत करें, खासकर संगठित अपराध, साइबर फ्रॉड, और आतंकी खतरों जैसे मुद्दों पर। उनकी तिहाड़ जेल (Tihar Jail) में आपराधिक गिरोहों को नियंत्रित करने की क्षमता और इंटेलिजेंस ऑपरेशंस का अनुभव उन्हें इस भूमिका के लिए उपयुक्त बनाता है।

आगे की राह

सतीश गोलचा की नियुक्ति दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उनके सामने तिहाड़ जेल में बढ़ती हिंसा, आपराधिक गिरोहों की गतिविधियों, और साइबर अपराध जैसे मुद्दों से निपटने की चुनौती होगी। साथ ही, CM पर हमले के बाद दिल्ली पुलिस की जवाबदेही और सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा भी जरूरी है। गोलचा की अनुभवी और शांत नेतृत्व शैली से दिल्लीवासियों को एक सुरक्षित और व्यवस्थित राजधानी की उम्मीद है। क्या यह नियुक्ति दिल्ली की कानून-व्यवस्था को नई दिशा देगी? आप क्या सोचते हैं?

यूपीआई 3.0 खत्म करेगा कैश और फोन का झंझट ! जानें क्यों खास है यह अपग्रेड और कैसे बदल देगा आपकी लाइफस्टाइल ?

(जीएनएस)।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) देश की डिजिटल पेमेंट व्यवस्था में एक और बड़ा बदलाव लाने की तैयारी कर रहा है। ठढउक जल्द ही वढक 3.0 पेश करने जा रहा है, जो Internet of Things (IoT) तकनीक पर आधारित होगा।

इस अपग्रेड के बाद न सिर्फ स्मार्टफोन बल्कि आपके घर और कार में मौजूद स्मार्ट डिवाइस भी अपने आप पेमेंट करने लगेंगे। इसका मतलब है कि अब आपकी कार, फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन या स्मार्टवॉच जैसे उपकरण खुद-ब-खुद बिल चुकाने और खरीदारी करने में सक्षम होंगे।

कैसे करेगा काम UPI 3.0?

UPI 3.0 मौजूदा फीचर्स जैसे UPI Autopay और UPI Circle पर आधारित होगा। इसमें IoT तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसके जरिए इंटरनेट से जुड़े सेंसर और सॉफ्टवेयर अलग-अलग डिवाइसों को एक-दूसरे से जोड़ेंगे। उदाहरण के तौर पर:

आपका फ्रिज दूध खत्म होने पर खुद ऑर्डर और पेमेंट कर देगा।

आपकी कार ईंधन भरवाने के तुरंत बाद भुगतान पूरा कर देगी।

स्मार्ट टीवी या स्मार्टवॉच से

मासिक सब्सक्रिप्शन अपने आप कट जाएगा।

इस सुविधा के लिए यूजर अपने मुख्य वढक डिवाइस से किसी स्मार्ट डिवाइस को एक मैंडेट जारी करेंगे। इससे एक सेकेंडरी वढक कऊ बनेगी, जो आपके मुख्य खाते से जुड़ी होगी और निर्धारित सीमा के भीतर ही लेनदेन कर पाएगी।

अब UPI पेमेंट के लिए नहीं चाहिए PIN! बस करना होगा इतना सा काम, जानिए नया बायोमेट्रिक प्लान

अब वढक पेमेंट के लिए नहीं चाहिए ढक्ठ! बस करना होगा इतना सा काम, जानिए नया बायोमेट्रिक प्लान

UPI 3.0 Smart Device: सुरक्षा और प्राइवेसी

सूत्रों के मुताबिक, इस क्रांतिकारी अपग्रेड की आधिकारिक घोषणा अक्टूबर 2025 में मुंबई में होने वाले Global Fintech Fest के दौरान की जा सकती है। हालांकि, इसके लिए अभी नियामकीय मंजूरी का इंतजार है।

NPCI ने स्पष्ट किया है कि डेटा सुरक्षा और अनधिकृत लेनदेन से बचाव के लिए विशेष उपाय किए जाएंगे। हर डिवाइस के लिए अलग वढक कऊ होगी, जिससे किसी एक डिवाइस के डेटा से पूरा अकाउंट असुरक्षित नहीं होगा।

UPI 3.0 आखिर क्यों है खास?

भारत में वढक का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में UPI के जरिए 185.8 बिलियन ट्रांजैक्शन हुए, जो पिछले साल से 41.7% अधिक है। फ्ढक की रिपोर्ट बताती है कि देश में खुदरा भुगतानों का 83% हिस्सा UPI से किया जा रहा है। वहीं, वैश्विक स्तर पर भी ऑटोनॉमस पेमेंट्स मार्केट 2024 से 2032 के बीच 40% से अधिक की दर से बढ़ने का अनुमान है।

UPI 3.0 न केवल पेमेंट को और आसान बनाएगा, बल्कि इसे भविष्य की ऑटोमेटेड डिजिटल इकोनॉमी का हिस्सा भी बना देगा। आने वाले समय में यह अपग्रेड हमारे रोजमर्रा के जीवन को बदल देगा, जहां डिवाइस खुद हमारी जरूरतें पूरी करेंगे और पेमेंट भी बिना देरी के हो जाएगा।

14 सरकारी विधेयक पेश किए गए, 12 पारित हुए

(जीएनएस)।

21 अगस्त, 2025 (गुरुवार) को संसद के मानसून सत्र हंगामे के साथ संपन्‍न हो गया जैसा कि 21 जुलाई को शुरू हुआ था। लोकसभा और राज्यसभा दोनों ही सदन अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिए गए। विपक्षी सांसदों के विरोध प्रदर्शन के बीच, ऑनलाइन गेमिंग विधेयक बिना किसी चर्चा के पारित होने के बाद राज्यसभा को 10 मिनट के लिए स्थगित करना पड़ा था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी लोकसभा में मौजूद थे, जहां उनके आगमन पर सदन में जोरदार जयकारे लगे। इससे पहले, लोकसभा की कार्यवाही सुबह 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी, जब विपक्ष ने बिहार में चुनावी सूचियों के पुनरीक्षण को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

41 घंटे 15 मिनट ही चला मानसून सत्र

मानसून सत्र केवल 41 घंटे 15 मिनट ही चला। सदन का कामकाज केवल 38.88 प्रतिशत रहा जो बहुत निराशाजनक है। उपसभापति हरिवंश ने बताया कि ने बताया कि लगातार गतिरोध के कारण सदन की कार्यवाही में व्यवधान आया। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा हुई, जिसमें 64 सदस्यों ने भाग लिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सत्र की कार्यवाही समाप्त करते हुए विपक्ष के लगातार विरोध प्रदर्शनों को सदन की कम उत्पादकता का कारण बताया। विपक्ष बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ) पर चर्चा की मांग पर अड़ा रहा।

14 सरकारी विधेयक पेश किए गए, 12 पारित हुए

स्थगित करने से पहले, स्पीकर ने इस सत्र के दौरान हुए कामकाज की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस सत्र में कुल 14 सरकारी विधेयक पेश किए गए, जिनमें से 12 पारित हुए। उन्होंने 28 और 29 जुलाई को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर हुई विशेष चर्चा का भी जिक्र किया, जिसका समापन प्रधानमंत्री के जवाब के साथ हुआ।

केवल 55 प्रश्नों के ही मौखिक उत्तर दिए जा सके

स्पीकर ने 18 अगस्त 2025 को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियों पर शुरू हुई विशेष चर्चा का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि सत्र में मौखिक उत्तर के लिए 419 तारांकित प्रश्न शामिल किए गए थे, लेकिन केवल 55 प्रश्नों के ही मौखिक उत्तर दिए जा सके।

37 घंटे ही चर्चा हो पाई

बिरला ने कहा कि सत्र की शुरूआत में सभी ने सदन में 120 घंटे चर्चा करने का तय किया था, जिस पर बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में भी सहमति बनी थी। हालांकि, नियोजित व्यवधान और लगातार गतिरोध के कारण केवल 37 घंटे ही चर्चा हो पाई।

सत्र के पहले ही दिन धनखड़ के इस्तीफा

सत्र के पहले ही दिन पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे से मामला और बिगड़ गया, जिससे अटकलें तेज हो गईं और पद के लिए अप्रत्याशित चुनाव की आवश्यकता पड़ी। जगदीप धनखड़ का उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा, उनके पांच साल के कार्यकाल में दो साल शेष रहते हुए, स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए, गहन अटकलों और षड्यंत्र सिद्धांतों को जन्म दिया। धनखड़ वीवी गिरी और आर वेंकटरमन के बाद अपना कार्यकाल पूरा करने से पहले इस्तीफा देने वाले केवल तीसरे उपराष्ट्रपति हैं।

बिहार रक्फ़पर पूरे सत्र में जमकर हुआ हंगामा

विपक्ष ने चुनाव वाले बिहार में विशेष गहन संशोधन (रक्फ) पर कोई रियायत नहीं दिखाई। पहले दिन से ही पूरे सत्र के दौरान इंडिया गठबंधन का एसआईआर के खिलाफ संसद के अंदर और बाहर तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन जारी रखा, ईसीआई पर "वोट चोरी" का आरोप लगाया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा, आप सांसद संजय सिंह ने जमकर रक्फ का विरोध किया। भाजपा विरोधी गुट ने "वोट चोरी बंद करो" लिखे बैनरों के साथ भी विरोध प्रदर्शन किया, और चल रहे मतदाता सूची के संशोधन को "साइलेंट इनविजिबल रिगिंग" बताया।

यशवंत वर्मा पर महाभियोग

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने "कैश-एट-होम" विवाद के संबंध में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की। इस पैनल में कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता पीवी आचार्य एक न्यायविद् सदस्य के रूप में शामिल होंगे। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश अरविंद कुमार और मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव समिति के अन्य सदस्य हैं।

लोकसभा में, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीन विधेयकों का एक सेट पेश किया, जो प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और केंद्र तथा राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) में मंत्रियों के अनिवार्य इस्तीफे या निष्कासन का प्रावधान करता है, यदि वे पांच साल या उससे अधिक के कारावास के दंडनीय अपराधों के आरोप में 30 लगातार दिनों तक गिरफ्तारी या हिरासत में रहे हों।

हालांकि, ऐसा कुछ भी ऐसे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों या मंत्रियों को हिरासत से रिहा होने पर राष्ट्रपति या राज्यपाल द्वारा बाद में उसी पद पर नियुक्त होने से नहीं रोकेगा। संशोधनों का समय, संसद के मानसून सत्र के अंत से दो दिन पहले, और उनके निहितार्थों ने राजनीतिक हलकों को आश्चर्यचकित कर दिया।

ऑनलाइन मनी गेम्स पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक

संसद ने गुरुवार को ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन विधेयक, 2025 पारित किया, जिसमें राज्यसभा ने हंगामे के बीच बिना बहस के इसे मंजूरी दी। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा पेश किया गया यह विधेयक ऑनलाइन मनी गेम्स के सभी रूपों पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास करता है, जबकि ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेमिंग को बढ़ावा देता है।

विपक्ष के सदस्यों द्वारा लाए गए संशोधनों को खारिज करने के बाद ऊपरी सदन द्वारा इसे मंजूरी दी गई। यह विधेयक लोकसभा द्वारा बुधवार को पारित किया गया था। यह ऑनलाइन मनी गेम्स से संबंधित विज्ञापनों पर भी रोक लगाने और बैंकों और वित्तीय संस्थानों को ऐसे किसी भी खेल के लिए धन की सुविधा या हस्तांतरण करने से रोकने का प्रयास करता है। ऑनलाइन मनी गेम्स पैसे जमा करके खेले जाते हैं, जिसमें मौद्रिक और अन्य पुरस्कार जीतने की उम्मीद होती है।

प्रेमी के घर से युवती की क्यों लगाई छलांग, जानिए पूरा मामला, धोखे और मारपीट की दर्दनाक कहानी

(जीएनएस)।

खरगोन की रहने वाली 24 वर्षीय युवती (नाम गोपनीय) बुधवार रात, 20 अगस्त 2025 को अपने प्रेमी आवेश खान के घर इंदौर के सेंट्रल कोतवाली थाना क्षेत्र में पहुंची।

सूत्रों के अनुसार, युवती और आवेश पिछले कुछ सालों से रिलेशनशिप में थे। लेकिन हाल ही में युवती को पता चला कि आवेश ने किसी दूसरी युवती से शादी कर ली है। इस बात से आहत और गुस्से में भरी युवती ने आवेश से जवाब मांगने के लिए उसके घर का रुख किया।

कहासुनी और मारपीट का दौर

युवती के मुताबिक, आवेश के घर पहुंचने पर दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। युवती ने आवेश पर धोखा देने और दूसरी शादी करने का आरोप लगाया। बात इतनी बढ़ गई कि आवेश ने गुस्से में युवती का मुंह दबाकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। पुलिस को दिए बयान में युवती ने बताया कि आवेश ने उसे थप्पड़ मारे और उसका गला दबाने की कोशिश की। इस दौरान घर में मौजूद आवेश की दूसरी पत्नी को देखकर युवती का गुस्सा और भड़क गया। उसने हंगामा शुरू कर दिया और आवेश को सबक सिखाने का मन बना लिया।

तीसरी मंजिल से छलांग: जान पर बन आई

हंगामे के बीच युवती ने आवेश का हाथ पकड़ा और उसे जबरन घर की तीसरी मंजिल की छत पर ले गई। गुस्से और आवेश में भरी युवती ने वहां से छलांग लगा दी। यह दृश्य दिल दहलाने वाला था। लेकिन छलांग लगाने के दौरान वह पास की बिजली की तारों में उलझ गई, जिसके कारण उसकी जान बच गई। हालांकि, इस हादसे में उसके हाथ और पैर में गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने बताया कि युवती का शरीर तारों में कुछ देर तक लटका रहा, जिसके बाद वह नीचे गिर गई।

अस्पताल और प्रेमी का परिवार: भागने की कहानी

घटना के तुरंत बाद आवेश और उसके परिवार ने युवती को पास के अर्पण अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन इलाज शुरू होने से पहले ही परिवार वहां से भाग निकला। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आवेश ने इस दौरान युवती के मोबाइल से कुछ चैट्स और अन्य डेटा डिलीट करने की कोशिश की, ताकि सबूत मिटाए जा सकें। अस्पताल में मौजूद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को इस घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद वे भी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया।

पुलिस जांच और वायरल वीडियो

सेंट्रल कोतवाली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और तुरंत जांच शुरू कर दी। घटना का एक वीडियो, जो पास के सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुआ था, गुरुवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस वीडियो में युवती को छत से कूदते और तारों में उलझते देखा जा सकता है। पुलिस ने इस वीडियो को सबूत के तौर पर जब्त कर लिया है। सेंट्रल कोतवाली थाना प्रभारी ने बताया कि युवती के बयान दर्ज किए गए हैं और आवेश के खिलाफ मारपीट और धोखाधड़ी का मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

युवती का बयान: धोखे और विश्वासघात की कहानी

पुलिस को दिए अपने बयान में युवती ने बताया कि वह और आवेश पिछले तीन साल से रिलेशनशिप में थे। आवेश ने उससे शादी का वादा किया था, लेकिन हाल ही में उसे पता चला कि आवेश ने दूसरी युवती से शादी कर ली। इस धोखे से आहत होकर वह जवाब मांगने आवेश के घर गई थी। युवती ने यह भी बताया कि मारपीट के दौरान उसने गुस्से में छलांग लगाने का फैसला किया, लेकिन उसका इरादा आत्महत्या का नहीं था। वह केवल आवेश को अपनी पीड़ा का अहसास कराना चाहती थी।

इस घटना ने स्थानीय स्तर पर हंगामा मचा दिया है। बजरंग दल और अन्य संगठनों ने इस मामले को 'लव जिहाद' से जोड़कर प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने इस मामले को और तूल दे दिया है। कई यूजर्स ने युवती के साथ सहानुभूति जताई, तो कुछ ने आवेश और उसके परिवार की कड़ी निंदा की। एक ट्वीट में लिखा गया, "प्रेम के नाम पर धोखा और हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।"

पुलिस की कार्रवाई और आगे की जांच

सेंट्रल कोतवाली पुलिस ने आवेश और उसके परिवार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की है। पुलिस ने आवेश के घर की तलाशी ली और कुछ सबूत जमा किए

शाहरुख खान के बेटे की सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में क्या होगा खास, दिग्गज स्टार करेंगे कैमियो

(जीएनएस)।

शाहरुख खान की बेटे की वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' रिलीज होने के लिए तैयार है। इस सीरीज के साथ आर्यन खान अपना डिजिटल डेब्यू कर रहे हैं। उन्होंने इस सीरीज को लिखा और डायरेक्ट किया है। बीते दिनों इसका प्रीव्यू रिलीज किया गया। जिसके लॉन्च में शाहरुख खान, उनकी पत्नी गौरी खान और 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की स्टारकास्ट भी मौजूद रही।

इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि आर्यन खान की सीरीज आपको कब और कहां देखने को मिलेगी। इसके अलावा शो में कई बड़े स्टार्स की भी एंट्री होगी। कुछ का चेहरा हमने सीरीज के प्रीव्यू में देख लिया है।

आर्यन का यह शो नेटफ्लिक्स पर 18 सितंबर, 2025 को स्ट्रीम होगा। जिसमें लीड रोल में लक्ष्य ललवानी (किल फेम) आसमान सिंह के किरदार में नजर आएंगे। उनके अपोजिट सहेर बाम्बा होंगी, जो उनकी प्रेमिका का किरदार दिखाई देंगी। बॉबी देओल सुपरस्टार अजय तलवार की भूमिका में हैं। राघव जुयाल लक्ष्य के बेस्ट फ्रेंड बने हैं। इसके पहले दोनों किल में भी साथ में कर चुके हैं। वहीं, मोना सिंह उनकी मां के रोल में नजर आएंगी। इन सबके अलावा सीरीज में मनोज पाहवा, मनीष चौधरी, अन्या सिंह, गौतमी कपूर और राजत बेदी भी अहम रोल में दिखाई देंगे।

अब बात करते हैं शो में बॉलीवुड के जिन सुपरस्टार्स का कैमियो है। इसमें सलमान खान, रणवीर सिंह, रणबीर कपूर, करण जौहर जैसे सितारे इसमें नजर आएंगे। सारा अली और इब्राहिम के भी होने की खबरें हैं। सीरीज का सबसे बड़ा सरप्राइज यह है कि शाहरुख खान खुद भी आखिरी एपिसोड में नजर आएंगे।

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' एक ड्रामा सीरीज है। इसकी कहानी बॉलीवुड में आउटसाइडर और उसके दोस्तों के संघर्ष पर आधारित है। जो बॉलीवुड की चकाचौंध और राजनीति के बीच अपनी पहचान बनाने की कोशिश करते हैं। इस सीरीज को "बॉलीवुड के लिए एक रोस्ट और टोस्ट" के रूप में बताया जा रहा है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

चुनावी सवालों का जवाब नहीं मिला

आखिर भारत के चुनाव आयोग ने चुनावी सवालों के मुद्दे पर प्रेस कांफ्रेंस की। प्रेस कांफ्रेंस तो की पर ज्वलंत सवालों के जवाबों को टालने पर ज्यादा जोर दिया गया। बेहतर होता कि चुनाव आयोग यह प्रेस कांफ्रेंस न करता। प्रेस कांफ्रेंस भी उस दिन की गई जब रविवार था और उसी दिन दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का रोड शो चल रहा था और बिहार के सासाराम में राहुल गांधी की वोट चोरी यात्रा आरंभ हो रही थी। नतीजा यह हुआ कि इस प्रेस कांफ्रेंस ने नए सवालों को जन्म दे दिया। लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार चलाने की वैधता हासिल करना नहीं, बल्कि यह उस चुनाव की बुनियाद का प्रमुख स्तंभ है, जिस पर देश, राज्य व लोकतंत्र का दारोमदार टिका हुआ है। इस प्रक्रिया के स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से पारदर्शिता से संपन्न कराने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग पर है। रविवार को चुनाव आयोग ने विपक्षी राजनीतिक दलों के वोट चोरी से जुड़े आरोपों के जवाब दिए। प्रेस कांफ्रेंस के बाद कांग्रेस ने कहा कि इस प्रेस कांफ्रेंस में विपक्ष के उठाए सवालों का सीधा जवाब नहीं दिया गया। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार चुनाव से ठीक पहले भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर वोट देने का अधिकार छीन रही है। आरजेडी ने यह सवाल उठाया कि एसआईआर ऐसे समय क्यों की जा रही है जब बिहार में बाढ़ आई हुई है। पत्रकारों ने चुनाव आयोग से सवाल पूछा था। इस पर आयोग ने कहा, बिहार में 2003 में भी एसआईआर हुआ था और उसकी तारीख भी 14 जुलाई से 14 अगस्त थी। तब भी यह सफलतापूर्वक हुआ था। राहुल गांधी ने दावा किया था कि 2004 के लोकसभा और महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्यप्रदेश जैसे राज्यों के विधानसभा चुनावों में मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हेरपेर हुआ, जिससे भारतीय जनता पार्टी को फायदा हुआ। विशेष रूप से, उन्होंने बेंगलुरु की महादेवपुरा विधानसभा में एक लाख से ज्यादा फर्जी वोटर और कई अमान्य पतों का आरोप लगाया था। राहुल गांधी ने डुप्लीकेट वोटरों (जैसे एक ही व्यक्ति का कई राज्यों में वोटर के रूप में रजिस्ट्रेशन) और गलत पतों (जैसे एक छोटे से कमरे में सैंकड़ों वोटर) के उदाहरण दिए थे। चुनाव आयोग ने इन आरोपों को निराधार और गैर जिम्मेदाराना बताते हुए खारिज किया और कहा कि वोट चोरी जैसे शब्दों का इस्तेमाल करोड़ों मतदाताओं, लाखों चुनाव कर्मचारियों की ईमानदारी पर हमला है। क्या राहुल गांधी के सवालों का यही जवाब था? राहुल गांधी बार-बार कह रहे हैं कि चुनाव आयोग उनसे शपथ पत्र मांग रहा है, मुझसे एफीडेविट मांगा है जबकि वुछ दिन पहले ही भाजपा के लोग प्रेस कांफ्रेंस करते हैं तो उनसे कोई एफीडेविट नहीं मांगा जा रहा है। ज्ञानेश वुमार ने जवाब दिया, जहां आप गड़बड़ी की बात कर रहे हैं और आप उस विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक नहीं हैं तो कानून के मुताबिक आपको शपथ पत्र देना होगा। आयोग का कहना है कि हलफनामा देना होगा या देश से माफी मांगनी होगी। अगर सात दिनों के अंदर हलफनामा नहीं मिलता है तो इसका मतलब है कि ये सभी आरोप निराधार हैं। पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि चुनाव आयोग ने विपक्ष के सवालों का सीधा जवाब नहीं दिया।

खेड़ा ने कहा क्या ज्ञानेश वुमार ने उन लाख वोटर्स के बारे में कोई जवाब दिया जिन्हें हमने महादेवापुरा में बेनकाब किया था? नहीं दिया। उन्होंने कहा, हमने उम्मीद की थी कि श्री ज्ञानेश कुमार हमारे प्रश्नों के उत्तर देंगे.. ऐसा लग रहा था कि (प्रेस कांफ्रेंस में) भाजपा का एक नेता बोल रहा है। वरिष्ठ पत्रकार परंजॉय गुहा ठाकुरता चुनाव आयोग की इस प्रेस कांफ्रेंस में मौजूद थे। उनका मानना है कि फिलहाल जो सफाई चुनाव आयोग ने दी है उससे यह मुद्दा खत्म होते नहीं दिखाई दे रहा है। ठाकुरता कहते हैं, प्रेस कांफ्रेंस में वुछ सवालों के स्पष्ट जवाब नहीं मिले है। जैसे मैंने पूछा कि क्या यह सच है कि महाराष्ट्र में आपने 40 लाख नए लोगों को वोटर लिस्ट में शामिल किया? इस पर आयोग ने कहा कि उस समय किसी ने आपत्ति दर्ज नहीं कराई थी। मैंने एक और सवाल पूछा कि क्यों लोगों से ज्यादा नाम मतदाता सूची में थे तो इसका जवाब मुझे नहीं मिला। इस तरह से कई और सवाल हैं जिनके स्पष्ट जवाब नहीं मिले हैं। चुनाव आयोग ने बिहार ड्राफ्ट लिस्ट से करीब 65 लाख मतदाता हटाए हैं। यह एक बड़ी संख्या है, इसका कोई जवाब नहीं मिला।

उत्तर गुजरात की सहकारिता शक्तिः गाँव से वैश्विक बाजार तक डेयरी विकास की गाथा

- बनास डेयरी एशिया की अग्रणी डेयरी सहकारिताः ₹21,200 करोड़ कारोबार, 1 करोड़ लीटर प्रतिदिन प्रसंस्करण
- नवाचार और गुणवत्ता की मिसाल है दूधसागर डेयरीः ₹8,054 करोड़ कारोबार, 34.88 लाख लीटर प्रतिदिन संग्रह
- उत्तर गुजरात की डेयरी शक्ति का स्तंभ है साबर डेयरीः ₹8,939 करोड़ कारोबार, 33.53 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता
- प्रधानमंत्री मोदी के विजन से साकार हुआ उत्तर गुजरात का विश्वस्तरीय डेयरी सहकारिता मॉडल, VGRC में होगा प्रदर्शित

गांधीनगर, 21 अगस्त : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्राथमिक संकल्प रहा है कि देश के पशुपालक और किसान सशक्त हों, उन्हें न्यायसंगत मूल्य, आधुनिक सुविधाएँ और स्थायी आय का स्रोत मिले। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने यह दूरदृष्टि रखी थी कि डेयरी सहकारिता केवल दूध उत्पादन का माध्यम न होकर ग्रामीण समृद्धि और आत्मनिर्भरता का आधार बने, और आज मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल उसी संकल्प को नीतिगत प्रोत्साहन, अवसंरचना निवेश और निर्यात-उन्मुख योजनाओं के माध्यम से साकार कर रहे हैं।

इसी दृष्टिकोण का सजीव उदाहरण है उत्तर गुजरात का डेयरी क्षेत्र, जहाँ बनासकांठा, मेहसाणा और साबरकांठा की सहकारिताएँ अपनी प्रोसेसिंग क्षमता, कोल्ड-चेन अवसंरचना और नवाचार को अभूतपूर्व गति से बढ़ा रही हैं, जिससे उत्तर गुजरात ग्रामीण आजीविका और विकास की सशक्त अर्थव्यवस्था का प्रतीक बन चुका है। बनास डेयरी (बनासकांठा), दूधसागर डेयरी (मेहसाणा) और साबर डेयरी (साबरकांठा) दूध प्रसंस्करण और वैल्यू-ऐडेड उत्पादों के निर्यात में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी हैं, और ये सभी सहकारिताएँ गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (GCMMF) के अंतर्गत 'अमूल' ब्रांड के तहत अपने उत्पादों का विपणन करती हैं।

बनास डेयरी एशिया की अग्रणी डेयरी सहकारिताः ₹21,200 करोड़ कारोबार, 1 करोड़ लीटर प्रतिदिन प्रसंस्करण

बनास डेयरी, एशिया की सबसे बड़ी डेयरी सहकारिताओं में से एक, 1969 में स्थापित हुई और इसका मुख्यालय गुजरात के बनासकांठा जिले के पालनपुर में स्थित है। वित्त वर्ष 2024-25 में ₹21,200 करोड़ से अधिक के कारोबार के साथ, यह सहकारिता भारत के डेयरी उद्योग में अग्रणी स्थान रखती है। 1 करोड़ लीटर से अधिक प्रतिदिन दूध प्रसंस्करण क्षमता और गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में फैली 20 अत्याधुनिक विनिर्माण इकाइयों के बल पर, बनास डेयरी ने विशाल भौगोलिक और परिचालन विस्तार हासिल किया है।

1,600 से अधिक दूध सहकारी समितियों और 4 लाख से अधिक किसानों की सहभागिता इसे ग्रामीण विकास और किसान सशक्तिकरण का मजबूत स्तंभ बनाती है। इसका उत्पाद पोर्टफोलियो पारंपरिक डेयरी उत्पादों से आगे बढ़कर शहद और खाद्य तेलों जैसे विविध उत्पादों को भी शामिल करता है। सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) के साथ बायोगैस संयंत्र में सफल सहयोग ने स्थिरता और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में इसकी प्रतिबद्धता को और सशक्त किया है।

नवाचार और गुणवत्ता की मिसाल है दूधसागर डेयरीः ₹8,054 करोड़ कारोबार, 34.88 लाख लीटर प्रतिदिन संग्रह

मेहसाणा जिला दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड, जिसे व्यापक रूप से दूधसागर डेयरी के नाम से जाना जाता है, 1960 में स्थापित हुई और तब से मेहसाणा को डेयरी नवाचार का प्रमुख केंद्र बनाने में अहम भूमिका निभा रही है। वित्त वर्ष 2024झ25 में लगभग ₹8,054 करोड़ के कारोबार के साथ, यह सहकारिता अपनी उल्लेखनीय वृद्धि का प्रमाण देती है। मात्र 3,300 लीटर प्रतिदिन दूध संग्रह से शुरूआत कर, आज दूधसागर डेयरी प्रतिदिन 34.88 लाख लीटर से अधिक दूध का संग्रह और प्रसंस्करण कर रही है। मजबूत सहकारी नेटवर्क और उन्नत तकनीक के बल पर यह डेयरी दूध व विभिन्न डेयरी उत्पादों का उत्पादन करती है, जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों बाजारों में उच्च गुणवत्ता के मानकों पर खरे उतरते हैं। अत्याधुनिक कोल्ड-चेन और सख्त गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली ने इसे निरंतर आपूर्ति, सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी बनाए रखने में सक्षम बनाया है।

उत्तर गुजरात की डेयरी शक्ति का स्तंभ है साबर डेयरीः ₹8,939 करोड़ कारोबार, 33.53 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता

साबरकांठा जिला दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड, जिसे व्यापक रूप से साबर डेयरी के नाम से जाना जाता है, प्रतिदिन 33.53 लाख लीटर दूध संभालने की क्षमता के साथ भारत के अग्रणी दूध प्रसंस्करण संस्थानों में से एक है। देश के कई राज्यों में फैले संचालन और वित्त वर्ष 2023झ24 में लगभग ₹8,939 करोड़ के कारोबार के साथ, साबर डेयरी ने दूध, घी, मक्खन और चीज जैसे उत्पादों में उत्कृष्ट गुणवत्ता और भरोसेमंद ब्रांड छवि स्थापित की है। ताजगी और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए इसने निरंतर अत्याधुनिक प्रसंस्करण संयंत्रों और मजबूत कोल्ड-चेन लॉजिस्टिक्स में निवेश किया है, जिससे यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा के अग्रणी पायदान पर बनी हुई है।

VGRC में प्रदर्शित होगा उत्तर गुजरात का विश्वस्तरीय डेयरी सहकारिता मॉडल

बनास, दूधसागर और साबर डेयरी उत्तर गुजरात के डेयरी सहकारिता मॉडल की सशक्तता का प्रतीक हैं। न्यायसंगत मूल्य, सालभर दूध की खरीद और अवसंरचना विस्तार—जैसे कोल्ड-चेन, बायोगैस संयंत्र और मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं में निवेश ने लाखों पशुपालकों की आजीविका को स्थायित्व दिया है।

'लॉरेंस बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित करो', किसने की मांग?

(जीएनएस)।

कनाडा के कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोइलिएवरे ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह को आतंकवादी संगठन घोषित करने की मांग की है। यह मांग उन्होंने बुधवार को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक कार्यक्रम के दौरान उठाई। पोइलिएवरे ने अल्बर्टा के बैटल रिवर-क्रोफुट निर्वाचन क्षेत्र से उपचुनाव में शानदार जीत हासिल की है और सितंबर में सदन के फिर से शुरू होने पर वे अपनी सीट पर लौटेंगे।

'लिबरल ने दी है बिश्नोई गैंग को छूट'

पोइलिएवरे ने इस मुद्दे को उठाने के लिए ट्विटर (अब एक्स) का भी सहारा लिया था। 11 अगस्त को, उन्होंने एक्स पर लिखा, "लिबरल ओपन बॉर्डर इमिग्रेशन ने बिश्नोई आतंकवादियों और गैंगस्टरों को कनाडा आने और हमारे समुदायों को आतंकित करने की अनुमति दी है। कंजर्वेटिव पार्टी की मांग हैः बिश्नोई आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाओ; उनके सभी सदस्यों को तुरंत गिरफ्तार करो और निर्वासित करो।"

बिश्नोई का अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह एक अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क है, जो हिंसा, रंगदारी, मादक पदार्थों की तस्करी और लक्षित हत्याओं के लिए जिम्मेदार है, इसमें कनाडा में हुई वारदातें भी शामिल हैं। कंजर्वेटिव पार्टी द्वारा जारी एक बयान में, पोइलिएवरे ने गिरोह को "एक आतंकवादी इकाई" के रूप में सूचीबद्ध करने की मांग की, ताकि पुलिस और अभियोजकों को "कनाडावासियों को धमकी देने वाले इस हिंसक, अंतरराष्ट्रीय रंगदारी नेटवर्क को खत्म करने के लिए मजबूत उपकरण" मिल सकें।

ट्रूडो की सरकार में बढ़ा क्राइम

बयान में कहा गया है कि कनाडा में रंगदारी (ए७३ङ्क१३ङ्कल्ल) "सबसे तेजी से बढ़ते अपराधों में से एक बन गया है", जिसमें पुलिस छोटे व्यवसाय मालिकों, खासकर ब्राम्पटन, सरे, वैंकूवर और कैलगरी जैसे समुदायों में, के खिलाफ खतरों की लहरों की रिपोर्ट कर रही है। बयान में आरोप लगाया

गया कि कनाडा में "अपराध और अराजकता" फैल रही है, और 2015 में प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो के नेतृत्व में लिबरल पार्टी के सत्ता में आने के बाद से "हिंसक अपराध में 54% की वृद्धि हुई है। यौन हमलों में 75% की वृद्धि हुई है। रंगदारी में 330% की वृद्धि हुई है।"

रंगदारों की बढ़े सजा

पार्टी ने सरकार से अनिवार्य जेल समय को बहाल करने और मजबूत करने के लिए कहा, ताकि रंगदारों को कम से कम तीन साल की सजा हो, अगर इसमें बंदूक शामिल हो तो चार साल, और संगठित अपराध से जुड़ा होने पर पांच साल की सजा हो, जिसमें आगजनी को सजा में एक गंभीर कारक माना जाए। उन्होंने सरकार से "कैच-एंड-रिलीज कानूनों" को रद्द करने और "हिंसक अपराधियों को सलाखों के पीछे रखने और घूमती हुई न्याय प्रणाली को समाप्त करने" की भी मांग की।

रंगदारों को ट्रूडो ने दी शह-पोइलिएवरे

पोइलिएवरे ने कहा, "इस लिबरल सरकार ने कड़े कानूनों को ध्वस्त कर दिया, जेल की सजा को कम कर दिया, और गिरोहों तथा रंगदारों को हमारी सड़कों पर राज करने दिया।" यह पहली बार नहीं है कि पोइलिएवरे ने इस मुद्दे को उठाया है। इस बीच, कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री गैरी आनंदसंगरी ने कहा है कि ऐसी पदनाम के लिए "कानूनी सीमा" को पूरा करना होगा, लेकिन मामला देश की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के विचाराधीन है।

'टारगेट किलिंग के लिए जिम्मेदार लॉरेंस'

कनाडा के अल्बर्टा प्रांत की नेता और ब्रिटिश कोलंबिया के उनके समकक्ष ने संघीय सरकार से ऐसी पदनाम के लिए जुलाई में आ'ान किया था। एक बयान में, अल्बर्टा के प्रीमियर डेनिएल स्मिथ और प्रांत के सार्वजनिक सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं के मंत्री माइक एलिस ने कहा था, "लॉरेंस बिश्नोई गिरोह एक अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क है, जो हिंसा, रंगदारी, मादक पदार्थों की तस्करी और लक्षित हत्याओं के लिए जिम्मेदार है, जिसमें कनाडा में भी शामिल हैं। इसकी पहुंच वैश्विक है, और इसका इरादा आपराधिक और हिंसक है।" बीसी प्रीमियर डेविड एब्बी ने भी जून में ओटावा से इसी तरह की बात कही थी।

गोल्डी बराड पर कार्रवाई की मांग

भारत ने भी कनाडा से संचालित बिश्नोई गिरोह के सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है, जिसमें सतेंदरजीत सिंह, जिन्हें गोल्डी बराड़ के नाम से जाना जाता है, भी शामिल हैं। बराड़ मई 2022 में पंजाबी गायक और राजनेता सिद्धू मूसेवाला की हत्या के संबंध में वांछित है।

रोहित शर्मा हैं ड्रेसिंग रूम के असली बॉस, राहुल द्रविड़ ने हिटमैन को बताया सच्चा कप्तान

(जीएनएस)।

टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच राहुल द्रविड़ ने हाल ही में रोहित शर्मा की कप्तानी की जमकर तारीफ की। आर अश्विन के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान द्रविड़ ने रोहित की लीडरशिप को लेकर कई अहम बातें शेयर कीं। उन्होंने कहा कि रोहित सिर्फ कप्तान नहीं थे, बल्कि एक ऐसे लीडर थे जो टीम के लिए जीते थे।

द्रविड़ ने बताया कि रोहित का सबसे बड़ा गुण था टीम के लिए गहरी सोच और साफ विजन। पूर्व कोच ने कहा कि पहले दिन से ही रोहित को पता था कि वह टीम को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं। उन्हें यह भी पता था कि जीत के लिए किन चीजों पर फोकस करना जरूरी है। यह स्पष्टता ही उनके और रोहित के बीच मजबूत तालमेल का कारण बनी।

ड्रेसिंग रूम के माहौल को रखते थे पॉजिटिव

राहुल द्रविड़ ने कहा कि वह हमेशा मानते हैं कि कप्तानी करने वाले

कोच नहीं, बल्कि कप्तान होना चाहिए। द्रविड़ ने कहा कि मैंने हमेशा यही सोचा कि टीम को कप्तान के हिसाब से चलना चाहिए। कोच का काम उसे सपोर्ट करना है। रोहित के मामले में यह आसान था, क्योंकि वह अपनी बातों में स्पष्ट थे। उन्होंने आगे बताया कि रोहित न सिर्फ रणनीतिक रूप से मजबूत थे, बल्कि ड्रेसिंग रूम के माहौल को भी पॉजिटिव बनाए रखने पर जोर देते थे।

इस वजह से जीता वर्ल्ड कप

द्रविड़ ने आगे कहा कि रोहित ने शुरूआत से ही तय कर लिया था कि टीम का माहौल कैसा होना चाहिए। उन्होंने ऐसा वातावरण बनाया, जिसमें खिलाड़ी खुलकर खेल सकें और दबाव महसूस न करें। राहुल द्रविड़ के मुताबिक, रोहित के पास वर्षों का अनुभव था, जो उनकी सबसे बड़ी ताकत साबित हुआ। चाहे मुश्किल हालात हों या बड़े टूनामेंट, रोहित ने हमेशा संयम और स्पष्टता के साथ फैसले लिए।

यही वजह है कि उनकी कप्तानी में भारत ने जून 2024 में आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचा। अंत में द्रविड़ ने कहा कि कप्तान का काम दिशा तय करना है और कोच को उसे सपोर्ट करना चाहिए। रोहित के साथ यह बेहद सहज था, क्योंकि वह जानते थे कि उन्हें टीम से क्या चाहिए।

कब है 'ब्लैक मून'? क्या चांद का रंग होगा काला? आने वाली है तबाही? जानें सारे सवालों का जवाब

(जीएनएस)।

अंतरिक्ष में हर वक्त कुछ ना कुछ घटता रहता है, जिसका पृथ्वी से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कनेक्शन जरूर होता है इस बार भी आने वाले शनिवार यानी कि 23 अगस्त को कुछ ऐसा होने वाला है, जिस पर दुनियाभर के वैज्ञानिकों की नजर है, आपने सही समझा यहां बात हो रही है 'ब्लैक मून' की, जो कि इस महीने की 23 तारीख को आने वाला है।

खगोल विज्ञान की दृष्टि से 'ब्लैक मून' एक दुर्लभ खगोलीय घटना है, जो कि तब घटती है जब एक ही महीने में दो बार अमावस्या आती है। आमतौर पर एक महीने में केवल एक बार अमावस आती है लेकिन जब महीने में ये दो बार आए तो दूसरी अमावस्या को 'ब्लैक मून' कहा जाता है।

इ‟ टङ्कङ्कल्ल 2025

वैसे खगोल विज्ञान में 'ब्लैक मून' कोई आधिकारिक शब्द नहीं है लेकिन इसका इस्तेमाल कुछ खास तरह की चंद्र घटनाओं का वर्णन करने के लिए व्यापक रूप से किया जाता है जो अक्सर नहीं होती है।

चंद्र चक्र की तीसरी अमावस्या कहलाती है हर ऋतु में तीन अमावस्याएं होती हैं लेकिन कभी-कभी, चंद्र चक्र के हमारे कैलेंडर के साथ तालमेल बिठाने के कारण, चौथी अमावस्या भी आ जाती है। जब ऐसा होता है, तो क्रम में तीसरी अमावस्या को 'ब्लैक मून' कहा जाता है।

क्या चांद सफेद से काला हो जाएगा?

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों-उपग्रह की चाल का असर मनुष्य के सीधे जीवन पर पड़ता है इसलिए जब इनकी चालों पर अंतर या परिवर्तन होता है तो उसे अच्छा नहीं मानते हैं। अब यहां पर बात 'काले चांद' की हो रही है, तो इसका अर्थ ये नहीं कि उस दिन चांद सफेद से काला हो जाएगा। ये तो 'मौसमी मून' के हिसाब से उसका नाम रखा गया है। काले रंग को लोग शोक या दुख से जोड़ लेते हैं, तो इसका अर्थ ये नहीं 23 अगस्त को कुछ विनाशकारी या अशुभ होने जा रहा है, इसलिए भयभीत होने की जरूरत नहीं है।

अमावस्या के दिन चांद नजर नहीं आता है

दरअसल जिस दिन अमावस्या होती है, उस दिन चांद आकाश में नजर नहीं आता है। पंचांग के मुताबिक अमावस्या चंद्रमास के अंतिम दिन होती है। अमावस्या को अंधकार की रात भी कहा जाता है, क्योंकि इस दिन चांद पृथ्वी से काफी दूर होता है, जिसके कारण उसका चमकीला हिस्सा धरती से दिखाई ही नहीं पड़ता है।

चंद्रमा लगभग 29.5 दिनों में पृथ्वी का एक चक्कर लगाता है। जब किसी कैलेंडर माह में चंद्रमा का यह चक्र दो बार पूरा हो जाता है, तो उसी माह की दूसरी अमावस्या को 'ब्लैक मून 'कहा जाता है। ह घटना हर दो से तीन साल में एक बार घटित होती है।

'ब्लैक मून' को आत्मचिंतन, साधना और ध्यान के लिए सर्वोत्तम समय माना जाता है।

माना जाता है कि 'ब्लैक मून' का असर व्यक्ति की मानसिक स्थिति, भावनाओं और निर्णय लेने की क्षमता पर पड़ता है।

नहीं बंद हुई सलमान खान की 'बैटल ऑफ गलवान', इस एक्टर ने खोल दिए सारे राज

(जीएनएस)।

सलमान खान की आने वाली फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग को लेकर खूब अपडेट आए। यहां तक बताया गया कि उनकी फिल्म ठंडे बस्ते में जा सकती है। बंद होने की खबरें भी आईं। लेकिन इन सबके बीच फैंस के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। 20 अगस्त को फिल्म बैटल ऑफ गलवान की शूटिंग शुरू हो गई है।

फिल्म की शूटिंग लद्दाख के इलाके में शुरू हुई है। इसकी जानकारी फिल्म में काम कर रहे एक्टर अंकुर भाटिया ने दी है। इंस्टाग्राम में अंकुर ने लद्दाख के मैदान की वीडियो पोस्ट की है। जिसमें कई सारी गाड़ियां आती दिखाई दे रही हैं। वहीं दूसरी स्टोरी में उन्होंने बैटल ऑफ गलवान का क्लैप भी डाला है। जिसमें पहला दिन लिखा है।

लद्दाख में फिल्म का अहम पार्ट शूट होना था। इसके लिए सलमान खान ने कड़ी ट्रेनिंग भी ली है। लेकिन अभी वो इस शेड्यूल में जुड़े हैं कि नहीं। इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म में सलमान खान-चित्रांगदा सिंह के अलावा अंकुर भाटिया और साकिब सलीम भी हैं। बीते दिनों बताया गया था कि सलमान की फिल्म 2020 में गलवान वैली में हुई उस हिंसक झड़प पर बेस्ड है। जिसमें भारतीय सैनिकों की चीनी सैनिकों से लड़ाई हुई थी। एक रिपोर्ट में ये दावा किया गया कि सलमान की फिल्म आर्मी की तरफ से हरी झंडी नहीं मिली है। ये मुद्दा काफी सेंसेटिव है। इसलिए ये फिल्म बंद भी सकती है। हालांकि सलमान आर्मी के अफसरों से बातचीत कर रहे हैं। दूसरी रिपोर्ट में ये बताया कि मुंबई के बांद्रा में फिल्म के लिए जो सेट लगाया गया था उसे तोड़ा जा रहा है। सेट तोड़ने की खबर सही है। लेकिन सेट इसलिए तोड़ा गया है क्योंकि मेकर्स अभी फिल्म की शूटिंग रियल लोकेशन पर करना चाहते हैं। ऐसे में स्टूडियो वाले सेट को तोड़ा है। अगर उन्हें जरूरत लगेगी, तो फिर से सेट बनाकर शूट करेंगे।

खैर फिल्म अगले साल मार्च या फरवरी में रिलीज हो सकती है। रिपोर्ट्स की माने तो इस बार सलमान ईद का इंतजार नहीं करेंगे। हालांकि अभी तक फिल्म की ऑफिशियल रिलीज डेट नहीं अनाउंस हुई है।

'भारत आज भी, सारे जहां से अच्छा', शुभांशु शुक्ला का एक्जोम-4 मिशन में जलवा, स्पेस में गूंजा 'जय हिंद'

(जीएनएस)।

भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र लगातार नई ऊंचाइयां छू रहा है। कभी सीमित संसाधनों के साथ छोटे-छोटे प्रयोग करने वाला देश आज बड़े वैश्विक मिशनों में अपनी खास पहचान बना चुका है। इसरो की ऐतिहासिक उपलब्धियों से लेकर निजी कंपनियों की बढ़ती भागीदारी तक, हर कदम भारत को अंतरिक्ष विज्ञान में नई दिशा दे रहा है।

इसी कड़ी में एक्सिओम-4 मिशन भी एक बड़ा मील का पत्थर साबित हुआ, जिसमें भारतीय ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष की ऊंचाइयों पर भारत का परचम लहराया और वैज्ञानिक प्रयोगों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक काम किए हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में साउथ एशिया सैटेलाइट तैयार कर लॉन्च किया गया और इसे दक्षिण एशियाई देशों को उपहार में दिया गया। इसके अलावा, जी20 देशों के लिए भी जी20 सैटेलाइट को साकार किया गया।

नरायणन ने आगे कहा कि दस साल पहले भारत में अंतरिक्ष से जुड़ा केवल एक स्टार्टअप था, लेकिन आज देश में 300 से ज्यादा स्पेस स्टार्टअप काम कर रहे हैं। निजी कंपनियां भी आगे बढ़ रही हैं और दो सबऑर्बिटल

मिशन पूरे कर चुकी हैं।

शुभांशु शुक्ला ने शेयर किया अपना एक्सपीरियंस

एक्सिओम-4 मिशन के मिशन पायलट ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने सरकार, इसरो और अपने सहयोगियों का आभार जताया। उन्होंने बताया कि इस मिशन में वे फाल्कन-9 रॉकेट पर सवार होकर क्रू ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में अंतरिक्ष पहुंचे। उन्होंने कहा, "क्रू ड्रैगन दुनिया के उन तीन वाहनों में से एक है, जो इंसानों को अंतरिक्ष तक ले जा सकता है। मेरे पास मिशन पायलट की जिम्मेदारी थी, जहां मुझे कमांडर के साथ काम करते हुए क्रू ड्रैगन के सिस्टम से तालमेल बैठाना था।"

भारतीय वैज्ञानिकों के प्रयोगों को दी सफलता

शुक्ला ने बताया कि मिशन के दौरान भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किए गए कई प्रयोग सफलतापूर्वक पूरे किए गए। इसके अलावा, रळएट डेमो, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी जैसे काम भी किए गए, जिससे भारत के शोध को नया आयाम मिला।

जिले में पुलिस व प्रेस स्टिकरों का बढ़ता फैशन, आम लोग भी झाड़ रहे रोब

(जीएनएस)।

गाजियाबाद इन दिनों वाहनों पर पुलिस और प्रेस के स्टिकर चिपकाने का चलन तेजी से बढ़ता जा रहा है। यह स्टिकर केवल असली पुलिसकर्मी या मान्यता प्राप्त पत्रकारों की गाड़ियों पर लगने चाहिए, लेकिन गाजियाबाद की सड़कों पर आम लोग भी इनों फैशन और रोब झाड़ने के लिए चिपकाकर खुलेआम घूम रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे वाहन चालक ट्रैफिक पुलिस तक पर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं। स्टिकर लगे वाहन देखकर आम जनता भ्रमित हो जाती है और कई बार यह वाहन चालान या जांच से भी बच निकलते हैं।क्षेत्रवासियों ने चिंता जताई है कि जब हर दूसरा वाहन 'प्रेस' या 'पुलिस' लिखवाकर सड़कों पर दौड़ेगा तो असली और नकली की पहचान करना मुश्किल हो जाएगा। इससे न केवल कानून व्यवस्था प्रभावित होती है बल्कि पत्रकारिता और पुलिस की छवि भी धूमिल होती है। आम जनता लगातार मांग कर रही है कि प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस विभाग इस पर सख्ती से कार्रवाई करें। सवाल यह है कि आखिर कब इन फर्जी स्टिकरों के सहारे रोब झाड़ने वालों पर नकेल कसी जाएगी। कानून क्या कहता है? केवल अधिकृत पुलिसकर्मी ही अपनी सरकारी गाड़ियों पर 'पुलिस' का स्टिकर या लोगो लगा सकते हैं।मान्यता प्राप्त पत्रकार संगठनों वा प्रेस

क्लब से अधिकृत पहचान मिलने पर ही 'प्रेस' का स्टिकर लगाया जा सकता है। फर्जी तरीके से स्टिकर लगाना धोखाधड़ी और नियम उल्लंघन की श्रेणी में आता है। मोटर व्हीकल एक्ट के तहत ऐसे वाहनों पर चालान, जब्ती और कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

ऑल यूपी हेयर एंड ब्यूटी एसोसिएशन ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित।

(जीएनएस)। राजधानी लखनऊ के

चारबाग स्थित होटल शयोना में ऑल यूपी हेयर एंड ब्यूटी एसोसिएशन के द्वारा वीएलसीसी वेल साइंस के नेतृत्व में आयोजित वर्कशॉप का आयोजन किया गया कार्यक्रम की आयोजक एकता श्रीवास्तव ने मुख्यअतिथि मेकअप आर्टिस्ट पापिया भट्टाचार्य को पुष्पगुच्छ देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया इस अवसर पर संगठन की ओर से एकता श्रीवास्तव, स्मिता जायसवाल, हेमा त्रिवेदी, किरन जी, माधुरी, माला सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे कार्यक्रम में मेकअप आर्टिस्ट ने मेकअप की तकनीकियों को बताया तत्पश्चात प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया इस अवसर पर विभिन्न जनपदों से लोग उपस्थित रहे जिनमें प्रमुख रूप से दीपाली गांधी, सर्विक बाजपेई, रिया भारती, आर्यन राठौर, लक्ष्मी

जयसवाल, आरती गुप्ता, प्रीति कौर, दिव्या मिश्रा, मनीशा सिंह, वसुंधरा सिंह, शालिनी श्रीवास्तव, अपर्णा सहित अन्य ब्यूटीशियन को प्रमाण पत्र

महासदस्यता अभियान में अवध प्रांत ने तोड़ा अपना पिछला रिकॉर्ड पुष्पेंद्र बाजपेई

20 अगस्त को अधिकतम सदस्यता दिवस के दिन एबीवीपी अवध प्रांत ने सर्वाधिक 1,23,318 विद्यार्थियों को दिलाई सदस्यता,जिसमें लखनऊ महानगर ने एक दिन में 40,218 सदस्यता के साथ रहा सबसे आगे

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सदस्यता दिलाई जाती है। प्रांत मंत्री ने बताया कि इस वर्ष अवध प्रांत में 8,27,366 सदस्यता का लक्ष्य लिया था" जिसमें अवध प्रांत ने अभी तक विद्यालय सदस्यता अभियान के तहत 3 लाख से अधिक विद्यार्थियों को सदस्यता बनाया है। 20 अगस्त को अधिकतम सदस्यता दिवस के दिन जाएगी ।प्रांत मंत्री ने कहा स्थापना काल से ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने छात्र हित और राष्ट्र हित से जुड़े प्रश्नों को प्रमुखता से उठाया है और देश व्यापी आंदोलनों का नेतृत्व किया है। आज इस संगठन से जुड़े रहे लोग समाज-जीवन के हर क्षेत्र में सक्रिय हैं और अपनी प्रतिभा का लोहा बिहार में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नाम सबसे ज्यादा रक्तदान करने का रिकॉर्ड है। इसके अतिरिक्त निर्धन मेधावी छात्र, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये. निजी कोचिंग संस्थानों में नहीं जा सकते उनके लिये स्वामी विवेकानंद निःशुल्क शिक्षा शिविर का आयोजन

अवध प्रांत मंत्री पुष्पेंद्र बाजपेई ने कहा कि एबीवीपी द्वारा प्रत्येक वर्ष स्कूल, कॉलेज एवं कोचिंग संस्थानों में जाकर छात्रों को अभाविप की वर्ष भर की गतिविधियों के बारे अवगत करा कर तथा राष्ट्र पुनर्निर्माण की भावना से अपने निर्धारित किए हुए लक्ष्य को बताते हुए छात्र छात्राएं एवं शिक्षकों को अवध प्रांत ने 1,23,318 छात्र एवं छात्राओं को एबीवीपी की सदस्यता दिलाकर अपने पुराने रिकॉर्ड को तोड़कर विद्यार्थियों को राष्ट्र पुनर्निर्माण की भावना से प्रेरित किया।

आगामी 22 अगस्त से महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में छात्र एवं छात्राओं की सदस्यता कराई मनवा रहे हैं। बांग्लादेशी अवैध घुसपैठ और कश्मीर से धारा ३७० को हटाने के लिए विद्यार्थी परिषद समय-समय पर आदोलन चलाते रहा है। बांग्ला देश को तीन बीघा भूमि देने के विरुद्ध परिषद ने ऐतिहासिक सत्याग्रह किया था। विद्यार्थी परिषद् देशभर के अनेक राज्यों में प्रकल्प चलाती है। किया जाता है। राष्ट्रीय स्तर पर संगठन की ओर से हरेक साल र३४ील्ल३ ि९ूँल्लौ ङ्ग१ ८ल्ल३ी१-२३३ी ८/५ल्लॅ का आयोजन किया जाता है जिसके अंतर्गत दूसरे राज्य में रहने वाले छात्र अन्य राज्यों में प्रवास करते हैं और वहां की संस्कृति और रहन-सहन से परिचित होते हैं।

राजस्व मंत्री बावनकुले ने बीएमसी अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश, त्योहारों में ना तोड़े किसी का आशियाना

(जीएनएस)।

मुंबई सहित महाराष्ट्र का सबसे बड़ा त्योहार गणेशोत्सव लगभग एक सप्ताह बाद शुरू होनेवाला है। इसकी तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इसी पृष्ठभूमि में राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने तमाम प्रशासनिक अधिकारियों को आगामी त्योहारों के काल में तोड़क कार्रवाई स्थगित करने का स्पष्ट आदेश दिया है।बावनकुले ने बुधवार को कहा कि त्योहारों के मौसम में घर तोड़ने का नोटिस देकर लोगों में भय का माहौल न बनाएं। जो भी कार्रवाई करनी है, गणेशोत्सव के बाद करें। तब तक अधिकारी लोगों को कोई नोटिस न दें। (नवभारत रिपोर्ट के अनुसार) मनपा ने जारी किया है नोटिस

उत्तर मुंबई में नागरिकों के निमार्णों को अनधिकृत बताकर बीएमसी ने नोटिस जारी किया है। कथित अनधिकृत निमार्णों के खिलाफ मुंबई महानगर पालिका की कार्रवाई रोके जाने की स्थानीय लोगों की मांग पर चर्चा के लिए बुधवार को राजस्व मंत्री बावनकुले की अध्यक्षता में मंत्रालय में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक

में बीजेपी उत्तर मुंबई जिला अध्यक्ष दीपक तावड़े और राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में नागरिकों के अनुरोध पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए मंत्री बावनकुले ने गणेशोत्सव तक इस कार्रवाई को रोकने का आदेश दिया है। लेकिन उन्होंने ये चेतावनी भी दी है कि फर्जी नक्शे तैयार करके निर्माण करने वालों को छूट नहीं मिलेगी। फर्जी नक्शे देने वालों को कोई छूट नहीं राजस्व मंत्री ने बताया कि उत्तर मुंबई में निर्माण कार्यों की जांच के लिए नियुक्त समिति ने उल्लेख किया है कि सर्वेक्षण जांच के समय नगर सर्वेक्षण अधिकारी गोरेगांव के अभिलेखों में से ८८४ सीमा मानचित्रों और 9 रेखाचित्रों में से 165 में छेड़छाड़ की गई है। इसी के अनुरूप, मनपा नै अनधिकृत निमार्णों को ध्वस्त करना शुरू किया है। इसलिए गलत मानचित्र बनाकर निर्माण करनेवालों को संरक्षण नहीं मिलेगा, लेकिन जिनके निर्माण 2011 से पहले हुए है, उन्हे नियमों के अनुसार कुछ रियायते दी जाएंगी। इसके लिए भनक गणेशोत्सव तक तोड़फोड़ की कार्रवाई न करें, इसके बाद, मनपा वायर्यालय में एक विस्तृत बैठक आयोजित की जाएगी और इस संबंध में निर्णय लिया जाएगा।

भारतीय रेल पर 16 अगस्त से 31 अक्टूबर 2025 तक आयोजित स्वच्छता अभियान

(जीएनएस)।

वाराणसी 21 अगस्त 2025 भारतीय रेल पर 16 अगस्त से 31 अक्टूबर 2025 तक आयोजित स्वच्छता अभियान के द्वितीय चरण के छठवें दिन मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी आशीष जैन के निर्देश एवं स्वच्छता सम्बन्धी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

स्वच्छता अभियान के अंतर्गत वाराणसी मंडल के स्टेशनों पर कार्यरत स्वास्थ्य निरीक्षकों ने स्टेशन पर कार्यरत संविदा कर्मचारियों एवं रेलवे कर्मचारियों के साथ मिलकर अलग अलग कूड़ेदान लगाए गए। यात्रियों को मार्गदर्शन देने के लिए कूड़ेदानों के पास जागरूकता साइनबोर्ड लगाए गए।

इसके अतिरिक्त शहरी स्थानीय निकायों के सहयोग से स्टेशनों से सटे रेलवे ट्रैक के किनारे से कचरा घोषणाएं की गईं यात्रियों से स्टेशन को साफ रखने और प्लास्टिक का उपयोग कम से कमतर करने का आग्रह किया गया।

इसी क्रम में आज 21 अगस्त 2025 को नामित अधिकारीयों द्वारा ट्रेनों में मिलने वाले लिनेन के

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर ई.एन.एच.एम अभिषेक राय के नेतृत्व में पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के गाजीपुर सिटी भटनी जंक्शन छपरा सीवान देवरिया सदर मऊ आजमगढ़ बलिया बनारस वाराणसी सिटी एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशनों ट्रेनों आवासीय कॉलोनियों डिपो एवं कारखानों में स्वच्छता संबंधी नारे पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से जन जागरूकता रैली निकाली साथ ही नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया तथा स्वच्छता अभियान का प्रचार-प्रसार किया गया। इसके साथ ही स्टेशन परिसर में गीले और सूखे कचरे के लिए हटाया गया। ट्रैक के आसपास गहन सफाई सुनिश्चित की गई। रेलवे आवासीय कॉलोनियों और अन्य रेलवे प्रतिष्ठानों में गहन सफाई अभियान चलाया गया। जहाँ भी आवश्यकता महसूस हुई कूड़ेदानों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। स्टेशनों और ट्रेनों में पैसेंजर एमिनिटी सिस्टम के माध्यम से वितरण सफाई भंडारण का निरीक्षण किया गया कैरेज एण्ड वैगन के कर्मचारियों ने गाड़ी संख्या 15107 बनारस लखनऊ एक्सप्रेस गाड़ी की सफाई एवं उसकी गुणवत्ता का निरीक्षण कर शौचालयों वेस्टिबुल क्षेत्रों और चयनित डिब्बों के आंतरिक और बाहरी दोनों हिस्सों की गहन सफाई की गई।

सरकारी आवास को अवैध रूप से बेच दिया नज्जू पति अली हसन ने मोनिका देवी को डूडा लगातार अवैध कब्जा खाली करवा रहा है

(जीएनएस)।

लखनऊ। पारा हंस खेड़ा सदरौना क्षेत्र के काशीराम कॉलोनी 44/11 सदरौना फेस 2 मे अवैध कब्जा करके मोनिका देवी गोमती नगर निवासी नामक महिला रह रही है डूडा से नज्जू पति अली हसन नामक महिला को मिली थी कॉलोनी अवैध रूप से कब्जा कर रह रही मोनिका देवी नामक महिला जो कब्जा कर रखी है स्थानीय लोगों के बताना है कि दबंग महिला है इसलिए डूडा के अधिकारी नहीं खाली कर पा रहे हैं डूडा के अधिकारी दबंग महिला के सामने घुटने टेक चुके हैं या फिर यह मान ले की डूडा के क्षेत्रीय अधिकारी भी इस अवैध कब्जा कर लोगों को रख रहे हैं इससे सरकार की छवि धूमिल हो रही है एक तरफ योगी सरकार लगातार अवैध कब्जे पर कार्रवाई करने के आदेश देते हैं तो वहीं दूसरी तरफ

काशीराम कॉलोनी के 44/11 में मोनिका देवी नामक महिला अवैध कब्जा कर रह रही है उच्च अधिकारी भी देखकर अनदेखा कर रहे हैं अवैध कब्जा खाली नहीं कर पा रहे हैं इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अधिकारियों की भी मिली भगत हो सकती है गरीब लोगों को डूडा की तरफ से कॉलोनी दी जाती है जबकि कब्जे लाइटर पर साफ तौर पर लिखा होता है कि यह कॉलोनी ना बेची जा सकती है ना खरीदी जा सकती है उसके बावजूद भी खरीदने बेचने का काला कारोबार काशीराम कॉलोनी 44/11 में चल रहा है अलर्ट नज्जू के नाम है खरीद कर रहे रही मोनिका देवी निवासी गोमती नगर देखना होगा की अधिकारी सरकार की धज्जियां उड़ाते हैं या फिर दबंग महिला से कॉलोनी खाली करा कर गरीब महिला को अलर्ट करते हैं। एक तरफ गरीबों के सर पर छत नहीं है तो वहीं दूसरी तरफ मोटी रकम में सरकार से दी गई आवास को बेचने में लगे हुए हैं लगातार डूडा के अधिकारी पारा क्षेत्र में कार्रवाई कर रहे हैं जो अवैध रूप से रह रहे हैं उनसे कॉलोनी खाली करवाई जा रही हैं

भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति जनपद पीलीभीत की जिला स्तरीय किसान मासिक पंचायत रामलीला मैदान के प्रांगण मंडलीय सचिव मुरलीधर कश्यप के नेतृत्व में संपन्न हुई पंचायत

(जीएनएस)।

जिसका संचालन जिला महामंत्री शिव कुमार गौतम द्वारा किया गया पंचायत को संबोधित करते हुए मंडलीय सचिव मुरलीधर कश्यप ने कहा कि दिनांक 27.8.2025 को क्षेत्रीय समस्याओं के संबंध में तथा मिजार्पुर जनपद में आवश्यक समस्या के संबंध में संबोधित ज्ञापन माननीय मुख्यमंत्री महोदय एवं श्रीमान जिला अधिकारी महोदय पीलीभीत को सौंप जाएंगे दिनांक 21-8 -25 को भी माननीय जिला अधिकारी महोदय को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार परितोष द्विवेदी द्वारा 2:10 बजे सोप़ा गया

पंचायत को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष पातीराम कश्यप ने कहा कि दिनांक 27-08- 2025 को होने वाले धरना प्रदर्शन हेतु सभी कार्य कर्ता एवं पदाधिकारी रामलीला मैदान के प्रांगण में एकत्रित होकर डिग्री कॉलेज चौराहे से होकर जिला मुख्यालय पर जाकर आंदोलन के बाद

ज्ञापन सौंपेंगे जनपद के अधिकारी भ्रष्टाचार मैं डूब गए हैं सरकारी अस्पताल में मरीजों के साथ भ्रष्टाचार पर प्रतिबंध लगाया जाए आवारा पशुओं के तुरंत पकड़वाया जाए बजाज मिल बरखेड़ा को गन्ना किसान गन्ना सप्लाई करने पर प्रतिबंध लगाए या तुरंत गन्ना भुगतान करें ग्राम समाज की भूमि पर बनाए गए आवास पर ग्राम प्रधान बिलासपुर के ग्राम प्रधान के प्रधानी अधिकार सीज किए जाएं पंचायत में मंडलीय सचिव मुरलीधर कश्यप उपाध्यक्ष चंद अंसारी राम चंद्र लाल फौजी मोहम्मद शकील फौजी कार्यवाहक खेमा नंद कश्यप संयोजक कालीचरण वर्मा सचिव सरवन सिंह महासचिव मनोज कुमार राठौर महामंत्री शिवकुमार गौतम मीडिया प्रभारी असगर हुसैन कोषाध्यक्ष सोहनलाल वर्मा कानूनी विधिक सलाहकार मंत्री मोहनलाल शर्मा कार्यकारिणी अध्यक्ष गुरमीत सिंह तहसील अध्यक्ष सदर कमलेश बाबू नन्ही देवी रामवती रामदेवी इत्यादि दर्जनों कार्यकर्ता पदाधिकारी पंचायत में मौजूद रहे

भूत भगाने के नाम पर लड़की से ढोंगी तांत्रिक ने किया कई बार रेप

(जीएनएस)।

मुंबई में एक चौंकाने वाले मामले सामने आया है। यहां सांताक्रूज पुलिस ने एक बाबा को 32 वर्षीय महिला के साथ कथित तौर पर 'बुरी आत्माओं से मुक्ति' के लिए अनुष्ठान करने के बहाने रेप करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। (फ भारत रिपोर्ट के अनुसार)आरोपी की पहचान अब्दुल राशिद (45) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, पारिवारिक समस्याओं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही पीड़िता, राशिद से मदद मांगने आई थी। उसकी कमजोरी का फायदा उठाते हुए, आरोपी बाबा ने उसे यकीन दिलाया कि उस पर भूत सवार है और वह उसे तथाकथित बुरी आत्माओं से मुक्ति दिलाने के लिए तांत्रिक अनुष्ठान कर सकता है। शुरूआत में महिला को लगा कि यह कृत्य अनुष्ठान का हिस्सा है, लेकिन बाद में उसे धोखे का एहसास हुआ। उसने हिम्मत जुटाकर सांताक्रूज पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। महिला के बयान के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई

करते हुए राशिद को हिरासत में लिया। राशिद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64 और 64(2) के तहत बलात्कार का मामला दर्ज किया है।

साथ ही, महाराष्ट्र मानव बलि एवं अन्य अमानवीय, दुष्ट और अघोरी प्रथाओं और काला जादू निवारण अधिनियम, 2013 के तहत भी कार्रवाई की गई है। यह कानून अंधविश्वास और तांत्रिक प्रथाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए बनाया गया है। साथ ही, पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे ऐसे ढोंगियों के बहकावे में न आएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। मामले की जांच जारी है, और पुलिस अन्य पीड़ितों की तलाश में भी जुट गई है।

विरार में भी आया था ऐसा ही एक मामला

लगभग 10 दिन पहले भी मुंबई से तंत्र-मंत्र के नाम पर रेप का ऐसा ही मामला सामने आया था। विरार इलाके में एक अंधे व्यक्ति ने महिला को यह कह कर फंसाया कि उसके शरीर में चार राक्षस हैं जो उसे कभी खुश नहीं रहने देंगे और उसका जीवन तबाह कर देंगे। इन राक्षसों से बचने के लिए '11 बार संभोग' करने का इलाज बताया। आरोपी ने लड़की को यह चेतावनी भी दी कि उसे बताई गई यह बात वह किसी और के सामने न कहे। इसके बाद 'बुरी आत्माओं को भगाने' के नाम पर 11 बार संभोग करने की विधि बताई। उसने होटल का कमरा बुक कर के लड़की से रेप किया। जब बात माता-पिता को पता चली तो पुलिस केस हुआ। आरोपी अब पुलिस की गिरफ्त में है।